



बैचलर ऑफ आर्ट्स (संस्कृत)

Bachelor of Arts (Sanskrit)

षष्ठ सेमेस्टर / बी0ए0एस0एल (N)- 302 / क्रेडिट- Credit (4)

भारतीय ज्ञानमीमांसा

अनुक्रम

| खण्ड- एक (Section-A) ज्ञानमीमांसा के मूल तत्त्व | पृष्ठ संख्या 01-05 |
|---|--------------------|
| इकाई- 1 भारतीय दर्शन का अर्थ, महत्त्व एवं प्रयोजन | 06-27 |
| इकाई- 2 भारतीय दर्शन का प्रतिपाद्य | 28-37 |
| इकाई- 3 अनुबन्ध चतुष्टय | 38-49 |
| इकाई- 4 प्रमाणों का परिचय एवं सिद्धान्त | 50-65 |
| इकाई- 5 अद्वैतवाद-द्वैतवाद-एकत्ववाद-ख्यातिवाद के सिद्धान्त | 66-78 |
| इकाई- 6 कार्यकारण के सिद्धान्त-सत्कार्यवाद-विवर्तवाद-परिणामवाद तथा अन्य सिद्धान्त | 79-89 |
| खण्ड- दो (Section-B) तर्कसंग्रह | पृष्ठ संख्या 90 |
| इकाई- 1 न्यायदर्शन एवं अन्नंभट्ट का परिचय | 91-98 |
| इकाई- 2 तर्क संग्रह मंगलाचरण से शब्द लक्षण पर्यन्त | 99-108 |
| इकाई- 3 बुद्धिलक्षण से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त | 109-114 |
| इकाई- 4 अनुमान लक्षण से बाधित हेत्वाभास लक्षण पर्यन्त | 115-112 |
| इकाई- 5 उपमान लक्षण से लेकर अभाव वर्णन पर्यन्त | 113-129 |
| खण्ड- तीन (Section-C) श्रीमद्भगवद्गीता : द्वितीय एवं तृतीय अध्याय | पृष्ठ संख्या 130 |
| इकाई- 1 श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय एवं महत्त्व | 131-174 |
| इकाई- 2 श्लोक संख्या 01 से 24 तक मूलार्थ, अन्वय एवं व्याख्या | 175-186 |
| इकाई- 3 श्लोक संख्या 25 से 49 तक मूलार्थ, अन्वय एवं व्याख्या | 187-198 |
| इकाई- 4 श्लोक संख्या 50 से 72 तक मूलार्थ, अन्वय एवं व्याख्या | 199-209 |
| इकाई- 5 तृतीय अध्याय (श्लोक संख्या 01 से 20 तक मूलार्थ, अन्वय, व्याख्या) | 210-238 |
| इकाई- 6 तृतीय अध्याय (श्लोक संख्या 21 से 43 तक मूलार्थ, अन्वय, व्याख्या) | 239-266 |